B.A. (Part-II) (with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem IV

BA24B-4 - Pali Literature (पालि वाङ्मय)

P. Pages : 4 **GUG/W/16/5040**

Time : Three Hours * 0 1 4 5 * Max. Marks : 80

सूचना :- 1. सर्व प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे आवश्यक आहे.
2. स्वीकृत माध्यमातून प्रश्नांची उत्तरे लिहावीत.

सूचनाएँ :- 1. सभी सवालों के जवाब लिखना अनिवार्य है।
2. स्विकृत माध्यम में जवाब लीखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो मोग्गल्लानो परिब्बाजको सारिपुत्तं परिब्बाजकं एतदवोच ''गच्छाम मयं, आवुसो, भगवतो सन्तिके सो नो भगवा सत्या'' ति। ''इमानि खो, आवुसो, अङ्गतेय्यानि परिब्बाजकसतानि अम्हे निस्साय अम्हे सम्पस्सन्ता इध विहरन्ति, तेपि ताव [अपलोकेम (क)]। यथा ते मञ्ञिस्सन्ति, तथा ते करिस्सन्ती'' ति। अथ खो सारिपुत्त मोग्गल्लाना येन ते परिब्बाजका तेनुपसङ्कमिसु, उपसङ्कमित्वा ते परिब्बाजके एतदवोचु - ''गच्छाम मयं, आवुसो, भगवतो सन्तिके, सो नो भगवा सत्था' ति। ''मयं आयस्मन्ते निस्साय आयस्मंन्ते सम्पस्सन्ता इध विहराम, सचे आयस्मन्ता महासमणे ब्रम्हचरिय चरिस्सन्ति, सब्बे व मयं महासमणे ब्रम्हचरियं चरिस्साना', ति। अथ खो सारिपुत्तमोग्गल्लाना येन सञ्चयो परिब्बाजको तेनुपसङ्कमिंसु, उपसङ्कमित्वा सञ्चयं परिब्बाजकं एतदवोचुं - ''गच्छाम मयं, आवुसो, भगवतो सन्तिके, सो नो भगवा सत्था'' ति ।

OR / अथवा

अथ खो भगवा उरुवेलायं यथाभिरन्तं विहरित्वा येन गयासीसं तेन चारिकं पक्कामि महता भिक्खुसङ्घेन सद्धिं भिक्खुसहस्सेन सब्बेहेव पुराणजटिलेहि। तत्र सुदं भगवा गयायं विहरति सद्धिं भिक्खुसहस्सेन। तत्र खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि - ''सब्बं, भिक्खवे, आदित्तं। किं च, भिक्खवे, सब्बं, आदित्तं? चक्खु आदित्तं रुपा आदित्तं, चक्खु विञ्ञाण आदित्तं, चक्खुसम्फस्सो आदित्तो चक्खुसम्फस्सपच्चया उप्पज्जति वदेयित्तं सुख वा दुक्खं वा अदुक्खससुखं वा तं पि आदित्तं। केन आदित्तं? रागग्निना, दोसग्गिना, मोहग्गिना आदित्तं, जातिया जराय मरनेन सोकेहि परिदेवेहि दुक्खेहि दोमनस्सेहि उपायासेहि आदित्तं ति वदामि ।

ब) सारिपुत्तं प्रव्रज्जेविषयी विस्ताराने माहिती लिहा. **6**
सारिपुत्तं के प्रव्रज्जासंबंधि विस्तार से जानकारी लिखिए।

OR / अथवा

मोगल्लायन यांच्या प्रव्रज्जेविषयी माहिती लिहा.
मोगल्लायन के प्रव्रज्जासंबंधी जानकारी लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

एवं मे सुतं - एकं समयं भगवा सवत्थियं विहरति जेतवने अनाथपिण्डिकस्स आरामे। तत्र खो भगवा भिक्खु आमन्तेसि - ''भिक्खवो'' ति। ''भदन्ते'' ति ते भिक्खु भगवतो पच्चस्सोसुं। भगवा एतदवोच - भद्देकरत्तस्स वो, भिक्खवे, उद्देसञ्च विभङ्ग ञ्च देसेस्सामि। तं सुणाथ, साधुकं मनसि करोथ; भासिस्सामी' ति। ''एवं, भन्ते'' ति खो ते भिक्खु भगवतो पच्चस्सोसुं। भगवा एतदवोच - ''अतीत नान्वागमेय्य, नप्पटिकङ्खे अनागतं। यदतीत - पहीनं तं, अप्पत्तञ्च

अनागतं।। ''पच्चुप्पन्नञ्च यो [यं (नेत्तिपाळि)] धम्मं, तत्थ तत्थ विपस्सति। असंहीरं [असंहिरं (स्या. कं. क.)] असंकुप्पं, तं विद्वा मनुब्रूहय्ये।।

OR / अथवा

एवं मे सुतं - एकं समयं भगवा राजगहे विहरति जीवकस्स कोमारभच्चस्स अम्बवने। अथ खो जीवको कोमारयच्चो येन भगवा तेनुपसङ्कमि; उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो जीवको कोमरभच्चो भगवन्तं एतदवोच ''सुतं मेतं भन्ते - समणं गोतमं उद्दिस्स पाणं आरभन्ति [आरम्भन्ति (क)], तं समणो गोतमो जानं उद्दिस्सकतं। [उद्दिस्सकटं (सी.पी.)] मसं परिभुञ्जति पटिच्चकम्मन्ति ये ते, भन्ते, एवमाहंसु - समणं गोतमं उद्दिस्स पाणं आरभन्ति, तं समणो गोतमो जानं उद्दिस्सकतं मंसं परिभुञ्जति पटिच्चकम्म' न्ति, कच्चि ते,भन्ते, भगवतो वुत्तवादिनो, न च भगवन्तं अभूतेन अब्भाचिक्खन्ति, धम्मस्स चानुधम्मं ब्याकरोन्ति, नच कोचि सहधम्मिको वादानुवादो गारय्हं ठानं आगच्छती' ति?

ब) मज्झिमनिकाय ग्रंथाचे त्रिपिटक साहित्यातील ऐतिहासिक महत्व स्पष्ट करा. **6**
मज्झिमनिकाय ग्रंथ का त्रिपिटक साहित्य में ऐतिहासिक महत्व स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

भद्देकरतसुत्त चा सारांश लिहून बोध स्पष्ट करा.
भद्देकरतसुत्त का सार लिखकर बोध स्पष्ट कीजिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) कुम्भूपमं कायमिमं विदित्वा नगरूपमं चित्तमिदं ठपेत्वा ।
योधेथ मारं पञ्ञायुधेन जितं च रक्खे अनिवेसिनो सिया।।

2) अचिरं वत यं कायो, पठविं अधिसेस्सति।
बुद्धो अपेतविञ्ञाणो निरत्थं व कलिङ्गरं।।

3) दिसो दिसं यन्तं कयिरा वेरी वा पन वेरिनं।
मिच्छापणिहितं चित्तं पापियो नं ततो करे।।

4) न तं माता पिता कयिरा अञ्ञे वापि च जातका।
सम्मापणिहितं चित्तं सेय्यसो नं ततो करे।।

OR / अथवा

1) मनुजस्स पयत्तचारिनो तण्हा वड्ढति मालुवा विय।
सो प्लवति हुराहुरं फलमिच्छंव वनस्मिं वानरो।।

2) यं एसा सहती जम्मी तण्हा लोके विसत्तिका।
सोका तस्स पवड्ठन्ति अभिवट्ठं व वीरणं।।

3) यो चेतं सहती जम्मिं तण्ह लोके दूरच्चयं।
सोका तम्हा पपतन्ति उदविन्दू व पोक्खरा।।

munotes.in

4) तं वो वदामि भद्दं वो यावन्तेत्थ समागता।
तण्हाय मूलं खणथ उसीरत्थो व वीरणं।
मा वो नलं व सोतो व मारो भञ्जि पुनप्पुनं।।

ब) चित्तवग्गाचा सारांश लिहा. **6**
चित्तवग्ग का सार लिखिए।

OR / अथवा

'पण्डितवग्गो' च्या आधारे पंडिताचे लक्षणांना सांगा.
'पण्डितवग्गो' के आधार से पंडित के लक्षण को बताईए।

4. अ) खालीलपैकी विभक्तीरूपे लिहा **कोणतेही एक.** **4**
निम्नलिखित में से **किसी एक** का विभक्ती प्रत्यय लिखिए।

भिक्खु, आयु, धेनु

ब) खालीलपैकी आज्ञार्थ रूपे लिहा **कोणतेही दोन.** **4**
आज्ञार्थ रूप लिखिए। **कोई भी दो ।**

पच, गम, रूद, मर

क) पालिचे मराठीत भाषांतर करा. **4**
पालि का हिंदी में अनुवाद कीजीए ।

1) सो नरो गेहे वत्थेन सोभति।

2) लता रुक्खे कम्पति।

3) अहं सीलं समादियामि।

4) सकुणा आकासे उड़न्ती।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) भिकारी नगरात भिक्षा मांगतो.
भिखारी नगर में भिक्षा मांगते है।

2) ती काम करते.
वह काम करति है।

3) त्याचे नाव काय आहे.
उसका नाम क्या है।

4) सारथी वृक्ष कापतो.
सारथी पेड़ को काटता है।

munotes.in

5. अ) टिपणे लिहा. **कोणतेही दोन.** **8**
टिपणियाँ लिखिए। **कोई भी दो ।**

1) पटिच्चसमुप्पादो।

2) विनयपिटक।

3) धम्मपद।

4) अरियअट्ठाङ्गिकमग्गो।

ब) संक्षिप्त उत्तरे लिहा. **8**
संक्षेप में जवाब लिखिए ।

1) चार आर्यसत्य कोणते?
चार आर्यसत्य कौनसे?

2) धम्मपद म्हणजे काय?
धम्मपद याने क्या?

3) ''विनयपिटक

4) ''भरिया'' किती प्रकारच्या असे बुध्द सांगतात?
''भरिया'' कितनी प्रकार की ऐसा बुध्द बतलाते तें ।

****

munotes.in